चीनी पर आयात शुल्क बढ़ा, त्योहारी सीजन तक बढ़ सकते हैं दाम

अमर उजाला ब्यूरो

नई दिल्ली। गन्ना किसानों का भुगतान अटकाए बैठी चीनी मिलों को केंद्र सरकार ने बड़ी राहत देते हुए चीनी पर आयात शुल्क 15 फीसदी से बढ़ाकर 25 फीसदी कर दिया है। एक तरफ चीनी मिलें पेराई बंद करने की चेतावनी दे रही हैं, वहीं दूसरी तरह इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ने से आयात महंगा हो जाएगा। ऐसे में त्योहारी सीजन पर चीनी की मिठाई पर महंगाई की मार पड़ सकती है। हालांकि देश में सालाना जरूरत से करीब 25 लाख टन ज्यादा चीनी का उत्पादन होता है। फिर भी आयात-निर्यात का खेल कीमतों को प्रभावित कर सकता है।

घरेलू उद्योग को चीनी के सस्ते आयात की मार से बचाने के लिए चीनी मिलें लंबे समय से इंपोर्ट ड्यूटी 15 फीसदी से बढ़ाकर 40 फीसदी करने की मांग कर रही थीं। सरकार

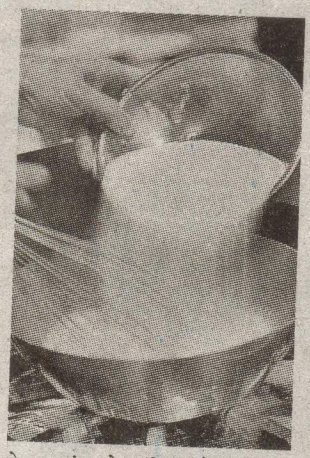

ने इस मांग को आंशिक तौर पर माना है। इंडियन शुगर मिल्स एसोसिएशन (इस्मा) के महानिदेशक अबिनाश वर्मा ने सरकार के इस कदम का स्वागत करते हुए कहा है कि मौजूदा कीमतों को देखते हुए 25 फीसदी इंपोर्ट ड्यूटी लगने से चीना का आयात फायदेमंद नहीं रह जाएगा। इससे घरेलू बाजार में सस्ती चीनी का अनावश्यक आयात थमेगा और बाजार की स्थिति में सुधार आएगा। वर्मा ने उम्मीद जताई है कि अब व्यापारी चीनी की खरीद में दिलचस्पी दिखाएंगे और मिलों को गन्ना का बकाया भुगतान करने में मदद मिलेगी। सरकार के इस कदम से चीनी मिलों को जरूर राहत मिली है, लेकिन आयात पर अंकुश लगने से त्योहारी सीजन में चीनी महंगी होने का खतरा भी मंडरा रहा है। हालांकि, इस्मा के मुताबिक, देश में करीब 25 लाख टन चीनी का सरप्लस है इसलिए चीनी की महंगाई भड़कने का खतरा नहीं है।

गन्ने का दाम सिर्फ 10 रुपये बढ़ेगा

बकाया भुगतान के लिए संघर्ष कर रहे गन्ना किसानों को मोदी सरकार से खास राहत मिलती नहीं दिख रही है। कृषि लागत एवं मूल्य आयोग (सीएसीपी) ने वर्ष 2015-16 के पेराई सत्र में गन्ने का उचित एवं लाभकारी मूल्य (एफआरपी) सिर्फ 10 रुपये बढ़ाने की सिफारिश है। अक्तूबर से शुरू होने वाले आगामी पेराई सत्र केलिए सरकार ने 220 रुपये प्रति क्विंटल एफआरपी तय कर चुकी है, जो अगले साल बढ़कर 230 रुपये हो सकता है। इस बारे में अंतिम फैसला कैबिनेट की बैठक में लिया जाएगा। केंद्र की ओर से तय गन्ने के उचित व लाभकारी मूल्य के ऊपर राज्य सरकार व चीनी मिलें अपनी तरफ से भाव तय कर सकती हैं। केंद्र की ओर से तय भाव यूपी में गन्ने के मौजूदा 280 रुपये के भाव से 60 रुपये कम है।

गन्ने की बुवाई 6 फीसदी कम

इस साल देश में गन्ने की बुवाई पिछले साल से करीब छह फीसदी कम है। कृषि मंत्रालय के अनुसार अबतक कुल 47.17 लाख हेक्टेअर क्षेत्र में गन्ने की बुवाई हुई है, जबकि पिछले साल खरीफ में कुल 50.32 लाख हेक्टेअर क्षेत्र में गन्ना बोया गया था। जुलाई के आखिर और अगस्त में हुई अच्छी बारिश से कुल 935 लाख हेक्टेअर में खरीफ की बुवाई हो चुकी है। पिछले साल खरीफ की बुवाई का आंकड़ा 976 लाख हेक्टेअर तक पहुंचा था। इस साल धान की क्षेत्र बढ़ा है, जबकि दलहन मोटे अनाज और तिलहन की बुवाई पिछले साल से कम क्षेत्र में हुई है।

अमर उजाला
23/8/14